# W-2538

## B.Ed. (Fourth Semester) Examination, June-2020

## SPECIAL COURSE - GUIDANCE AND COUNSELLING IN SCHOOLS

***Time : Three Hours***

***Maximum Marks : 75*** ***Minimum Pass Marks : 30***

**नोट** : खण्ड 'अ' से **किन्हीं ग्यारह** एवं खण्ड 'ब' से **किन्हीं दो** प्रश्नों को हल कीजिये। प्रश्नों हेतु निर्धारित अंक उनके सम्मुख प्रदर्शित हैं। शब्द–सीमा खण्ड 'अ' हेतु अधिकतम 100 शब्द एवं खण्ड 'ब' हेतु अधिकतम 400 शब्द हैं।

**Note :** Attempt **any eleven** questions from Section 'A' and **any two** questions from Section 'B' marks for the questions are given with them. Words limit for Section 'A' is maximum 100 words and for Section 'B' is maximum 400 words.

### खण्ड – अ / Section - A

Q.1. 'निर्देशन' को स्पष्ट कीजिये। 5
Explain 'Guidance'.

Q.2. 'अभियोग्यता' को समझाइये। 5
Explain 'attitude'.

Q.3. 'निर्देशन' एवं 'परामर्श' में अंतर स्पष्ट कीजिये। 5
Differentiate between 'Guidance' and 'Counselling'.

Q.4. परामर्श क्या है? इसके महत्त्व को समझाइये। 5
What is counselling? Explain its importance.

Q.5. व्यावसायिक निर्देशन को स्पष्ट कीजिये। 5
Explain vocational guidance.

Q.6. व्यक्ति इतिहास को समझाइये। 5
Explain case history.

Q.7. शैक्षिक निर्देशन के महत्त्व को स्पष्ट कीजिये। 5
Explain the importance of educational guidance.

Q.8. एक अच्छे परामर्शदाता की विशेषताओं को समझाइये। 5
Describe the characteristics of a good counsellor.

Q.9. सृजनात्मक बालकों से क्या आशय है? इनकी पहचान किस प्रकार संभव है? 5
What is meant by creative children? How can we identify them?

Q.10. बच्चों के अधिगम को प्रभावित करने वाले कारकों को स्पष्ट कीजिये। 5
Explain the psychological factors affecting learning of children.

Q.11. बच्चों के शारीरिक विकास में पोषण के महत्त्व को स्पष्ट कीजिये। 5
Explain the importance of nutrition in physical development of children.

Q.12. बच्चों की अधिगम अक्षमता को स्पष्ट कीजिये। 5
Explain the learning disabilities in children.

Q.13. निर्देशन सेवा के सिद्धांतों को संक्षेप में समझाइये। 5
Explain, in brief, the principles of Guidance services.

Q.14. शैक्षिक निर्देशन बालक के व्यक्तित्व विकास में किस प्रकार सहायक है? 5
How educational guidance can be helpful for personality development of children.

### खण्ड – ब / Section - B

Q.15. बालक की संवेगात्मक समस्याओं को समझाइये। इन्हें दूर करने में शिक्षक की भूमिका का वर्णन कीजिये। 10
Explain the emotional problems of children. Describe the role of a teacher to remove them.

Q.16. 'निर्देशन' एवं 'परामर्श' की प्रमुख तकनीकों का वर्णन कीजिये। 10
Describe the main techniques of 'guidance' and 'counselling'.

Q.17. विद्यालय स्तर पर 'निर्देशन' एवं 'परामर्श' हेतु आयोजित किये जा सकने वाले व्यावहारिक कार्यक्रमों को समझाइये। इनके महत्त्व का वर्णन भी कीजिये। 10
Describe the behavioural programs, that can be organised at school level, for 'guidance' and 'counselling'. Also describe their importance.

Q.18. विद्यार्थियों में व्याप्त अवसाद एवं शैक्षिक तनाव को दूर करने में शिक्षक की भूमिका को स्पष्ट कीजिये। 10
Explain the role of a teacher in dealing with depression and academic stress among students.